राजेश कालानी फाउंडेशन सम्मान समारोह में माननीय लोक सभा अध्यक्ष महोदय का संबोधन

सर्वप्रथम, प्रसिद्ध समाजसेवी स्व. श्री राजेश कालानी जी की स्मृतियों को नमन करता हूँ।

1. आज गुलाबी नगरी जयपुर के महावीर स्कूल के इस ऑडिटोरियम में राजेश कालानी फाउंडेशन के इस सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर मुझे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

2. यह बड़ा सुखद है कि कालानी फाउंडेशन उन लोगों का सम्मान करने जा रहा है, जिन्होंने कोरोना महामारी के विपरीत दौर में, उस निराशा के समय में आशा जगाने का काम किया।

3. आज सम्मानित होने वाले सभी स्वास्थ्यकर्मियों, सभी डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मियों और सभी गणमान्यों को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। आपके कार्यों ने मानवता में विश्वास को और अधिक मजबूत किया है, आपकी भूमिका निश्चय ही प्रशंसा की पात्र है। आपको बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

4. 10 वर्ष पहले स्थापित श्री राजेश कालानी फाउंडेशन का सेवाकार्यों का उल्लेखनीय इतिहास रहा है। जयपुर शहर जो समाज सेवकों का शहर है यहाँ राजेश कालानी फाउंडेशन ने जनसेवा के मानक प्रस्तुत किए हैं।

5. वर्ष 2012 में अपनी स्थापना के बाद से फाउंडेशन ने अनेक जनों को लाभान्वित किया है। माहेश्वरी समाज के साथी-बंधुओं के सहयोग से इस फाउंडेशन ने प्रत्येक वर्ष हेल्थ कैम्प का आयोजन किया है और जरूरतमंदों का निःशुल्क इलाज करवाकर निरंतर आपने मानवता के हित में कार्य किए हैं। इसके लिए मैं राजेश कालानी फाउंडेशन के संरक्षक श्री सुरेश कालानी जी और फाउंडेशन के सभी सदस्यों को साधुवाद देता हूँ।

6. मुझे ज्ञात हुआ कि राजेश कालानी फाउंडेशन द्वारा कोविड टीकाकरण के लिए निःशुल्क कैम्प लगाए गए। 50 कैम्प आपने लगाए जिनमें करीब 47 हजार लोगों का टीकाकरण किया गया।

7. स्थानीय स्तर पर आपने श्रमिक भाई-बहनों का टीकाकरण कर उन्हें कोविड से सुरक्षित करने का काम किया, इसके लिए मैं आपकी सराहना करता हूँ। कोरोना महामारी के दौरान भी आपने जयपुर में जरूरतमंदों तक भोजन वितरण, सेनेटाइज़र, पीपीई किट्स वितरण जैसे उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मैं आशा करता हूँ कि आपके द्वारा किए गए ये सेवाकार्य अन्य संगठनों और समूहों के लिए अनुकरणीय बनेंगे।

8. मित्रों, कोरोना का कठिन समय हम सबने देखा है। वो समय जब लोग घर से बाहर निकलने में भी डर रहे थे तब डॉक्टर्स, नर्सिंग कर्मचारी, सफाई कर्मचारी तथा व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन, पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने पूरे देश को संभाले रखा। हमारे कोविड वॉरियर्स ने अपनी जान दाव पर लगाकर देश और समाज की सेवा की।

9. इस सेवाकार्य में कई लोग संक्रमित भी हुए, उनमें से कई लोग अब हमारे बीच नहीं हैं; मैं उन सभी पुण्यात्माओं को इस पावन मंच से श्रद्धांजलि देता हूँ। कोरोना के दौर में बहुत से लोग थे, जो स्वेच्छा से आगे आए थे। जिससे जो बन पा रहा था, वो कर रहा था। बड़े बड़े भामाशाहों ने केंद्र और राज्य की सरकारों को दान दिया, कुछ लोगों ने खुद के स्तर पर प्रयास किए।

10. हर बस्ती, शहर, गाँव और कस्बे में ऐसे लोग होते थे, जो वहाँ स्थानीय स्तर पर भोजन वितरण करते थे। खाना तैयार करवाकर जरूरतमंदों तक पहुंचाते थे। बहुत से लोगों में उस विपरीत समय में भी मन में बस सेवा का संकल्प था।

11. माताओं-बहनों ने मास्क की सिलाई की एवं उन मास्कों को जरूरतमंदों को बांटे। यह इच्छाशक्ति और सबका समर्पण ही था, जिसने देश को एकजुट बनाए रखा था।

12. कोरोना से पहले की मैं बात करूँ तो आज से 2-3 वर्ष पहले हमारे देश के मेडिकल सेक्टर में आधारभूत संरचना की कहीं न कहीं एक कमी थी। कोरोना के दौर में हमने हमारे हेल्थ सेक्टर को डवलप किया है। बड़े स्तर पर वेन्टीलेटर, दवाओं का उत्पादन हुआ है। ऑक्सीजन और बेड्स के मैनेजमेंट में सुधार हुआ है। भारत ने अपने बल पर दुनिया का सबसे बड़ा कोविड टीकाकरण अभियान चलाया, सारी दुनिया यह देखकर दंग है।

13. हमने अपने लेवल पर वैक्सीन, मास्क, पीपीई किट्स का प्रोडक्शन किया। हमारे डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ, सफाई-सुरक्षा कर्मियों की प्रतिबद्धता ही है जिसने हमारे देश के 135 करोड़ की आबादी को सुरक्षित रखा है, ये एक बड़ी बात है।

14. आज जब राजेश कालानी फाउंडेशन कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित करने जा रहा है तब मैं इस हॉल में बैठे सभी जनों को बताना चाहूँगा कि अभी हाल ही में भारत की आशा कार्यकर्ताओं-बहनों को डबल्यूएचओ की तरफ़ से ग्लोबल हेल्थ लीडर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह हमारे देश के लिए, हमारी आशा कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

15. देश के स्वास्थ्य सेवा तंत्र में मजबूत कड़ी के रूप में आशा बहनों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार कल्याण और जन स्वास्थ्य के प्रति उनके निःस्वार्थ समर्पण का मैं हृदय से अभिनंदन करता हूँ।

16. मित्रो, सरकार की तरफ से भी हर वर्ष समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाता है। हम जब पद्म पुरस्कारों की सूची देखते हैं, जब देखते हैं कि साधारण मानवी को देश का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल रहा है, तब मैं समझता हूँ कि ये सम्मान उन लोगों को तो प्रेरित करते ही हैं जिनमें पहले से ही सेवाभाव है। साथ ही ये सम्मान अनेक आमजन को भी प्रेरित करते हैं।

17. आम आदमी भी सोचता है कि मैं भी ऐसा करूँ। मैं भी पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करूँ; राष्ट्र, समाज और जनता की भलाई के काम करूँ। मानवता के लिए कुछ करूँ। इसलिए पुरस्कारों की बड़ी प्रासंगिकता है।

18. प्रिय मित्रों, जब हम हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा, हमारे इतिहास को देखते हैं तो हम पाते हैं कि सेवा तो भारतीय संस्कृति का मूल है। सेवा हमारे यहाँ धर्म की तरह मानी गई है। हमारे यहाँ प्यासे को पानी पिलाना भी धर्म है। भूखे व्यक्ति को भोजन करवाना, ज़रूरतमन्द को वस्त्र से लेकर रक्त का दान हमारे यहाँ सेवा मानी जाती है।

19. श्रद्धेय श्री अग्रसेन जी महाराज का भी यही संदेश था। जरुरतमन्द और असहायों की सहायता करने का उनका संदेश हम सभी लोगों को सदैव प्रेरित करता रहा है।

20. साथियों, इस वर्ष भारत अपनी आज़ादी का **अमृत महोत्सव** मना रहा है। आजादी के इन 75 वर्षों में हमने क्या प्राप्त किया, हम इसका आकलन कर रहे हैं। इस वर्ष हम अपनी उपलब्धियों का उत्सव मना रहे हैं। लेकिन इसी के साथ मैं समझता हूँ कि यह वो समय भी है जब हमें नए संकल्प लेने होंगे! हमें विचार करना होगा कि अपने प्रयासों से हम अगले 25 वर्षों में भारत को किस ऊँचाई पर लेकर जाते हैं! आज़ादी के 75वें वर्ष से शताब्दी वर्ष की यात्रा का आगामी 25 वर्षों का समय हमारे राष्ट्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

21. मित्रों, आप संकल्प लीजिए कि आने वाले इन वर्षों में देशहित में आपके कार्यों, आपकी भूमिका का और अधिक विस्तार हो। वर्ष 2047 में जब हम अपनी आजादी की 100वीं वर्षगाँठ मनाएं, तो इस सभा में आप जितने लोग यहाँ बैठे हैं, आप सभी की भूमिका नए भारत के निर्माण में प्रमुख रूप से परिलक्षित हो।

22. हम सभी को एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहाँ लोग एकजुट होकर सामूहिकता के साथ सकारात्मक परिवर्तन के लिए काम करें। समाज के आप सम्मानित लोग, व्यवसायी, राजनेता, उद्योगपति और सभी प्रभावी लोग मिलकर यह परिवर्तन ला सकते हैं।

23. इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर श्री राजेश कालानी फाउंडेशन के सभी सम्मानित सदस्यों, माहेश्वरी समाज के सम्मानित गणमान्यों और यहाँ उपस्थित आप समस्त जनों को नमस्कार करता हूँ।

24. मैं आपको समाज और जनकल्याण की दिशा में आपके द्वारा किए जा रहे निःस्वार्थ प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। आज इस समारोह में सम्मान प्राप्त करने वाले सभी लोगों को बधाई देता हूँ। मैं आपके भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिन्द।